S -IV० · 3083

Unique Paper Code : 62051203
Name of the Course : B.A.Programe(Hindi)CBCS
Name of the Paper : Hindi - B
Semester : II
Time 3 hrs Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश :

(a) इस प्रश्न पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(क) पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ ।
ढाई आखर प्रेम का , पढ़ै सु पंडित होइ ।। 10

अथवा

उतरि ठाढ़ भए सुरसरि रेता।सीय रामु गुह लखन समेता।।
केवट उतरि दंडवत कीन्हा।प्रभुहि सकुच एहि नहिं कछु दीन्हा ।।
पिय हिय की सिय जाननिहारी। मनि मुदरी मन मुदित उतारी।।
कहेऊ कृपाल लेहि उतराई। केवट चरन गहे में अकुलाई।।

(ख) बतरस-लालच लाल की, मुरली धरी लुकाइ।
सौंह करैं , भौंहनु हँसे , दैन कहैं नटि जाइ ।। 10

अथवा

रूप निधान सुजान लखें बिन आँखिन दीठि हि पीठिदई है।
अखिल ज्यौं खरकै पुतरीन मैं ,सूल की मूल सलाक भई है।
ठौर कहूँ न लहै ठहरानि की मूंदें महा अकुलानि भई है।
बूढ़त ज्यौं घनआनंद सोचि, दई बिधि व्याधि असाधि नई है।।

(ग) बीते हुए बालपन की यह 10
क्रीड़ापूर्ण वाटिका है।।
वही मचलना, वही निकलना
हंसती हुई नाटिका है ।।

अथवा

चढ़ रही थी धूप ;
गर्मियों के दिन
दिवा का तमतमाता रूप;
उठी झुलसाती हुई लू,
रुई ज्यों जलती हुई भू,
गर्द चिंनगीं छा गयीं,
प्राय: हुई दुपहर
वह तोड़ती पत्थर।

2 कबीर अथवा तुलसी की काव्य भाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए? 10

3 रीतिकालीन कवि बिहारी अथवा घनानंद की जीवन एवं साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

4 सुभद्रा कुमारी चौहान अथवा सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

5 (क) निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए - 5

(i) हिंदी का उद्भव और विकास।

(ii) आधुनिक काल।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए। 5+5=10

(i) निर्गुण भक्ति काव्य।

(ii) बिहारी की कविता गागर में सागर।

(iii) रीतिमुक्त काव्य।

(iiii) छायावाद।